[Shri Dinesh Chandra Goswami]

tion been able to bring any change in their way of life? Thirdly, the most imoprtant question is where this procedure of keeping these people in isolation, following the doctrine of Verrier Elwyn is leading us to.

All these questions are coming up. This matter has very very serious consequences. That in 1973, six boys could be killed and eight could be injured, without any rhyme or reason by a tribe is indeed beyond comprehension. I would request you to admit our callattention....

MR. SPEAKER: Then why should I allow you now?

SHRI DINESH CHANDRA GOSWAMI: The Minister should make a statement on this, or a discussion on it should be allowed.

13.16 hrs.

RE. STRIKE BY WORKERS OF STENTON PIPE AND FOUNDRY FACTORY, UJJAIN

श्री हुकम चन्द कछवाय : (मुरैना): अध्यक्ष महोदय, मैं सरकार का ध्यान उज्जैन की स्टेन्टन पाईप एण्ड फाउण्ड्री फैक्टरी की ओर दिलाना चाहता हूं। वहां पर वेतन मण्डल की रिपोर्ट तीन साल से आई हुई है लेकिन उसको लागू नहीं किया जाता है जिसके फलस्वरूप वहां कर्मचारियों में काफी उत्तेजना है। वहां पर पिछले 42 दिनों से लगातार हड़ताल चल रही है। नियमानुसार फैक्टरी का जो निर्धारित समय है उससे अधिक समय तक काम लिया जाता है। इसके साथ साथ मध्य प्रदेश सरकार ने जो योजनायें बनाई हैं पाइप बिछाने की वह फेल हो रही हैं, उन पर काम चालू नहीं हो रहा है। इस फैक्टरी को दो साल से केन्द्रीय सरकार ने ले रखा है इसलिए सारी जिम्मेदारी केन्द्रीय सरकार पर ही आती है कि इन सारी चीजों को लागू किया जाये। हड़ताल के दौरान जो कर्मचारी निकाले गए हैं उनको पुनः काम पर रखा जाना चाहिए। मैं सरकार को चेतावनी देना चाहता हूं कि हजारों लोग वहां पर इससे प्रभावित हैं। उनकी जो वाजिब मांगें हैं उनको स्वीकार किया जाये क्योंकि उसकी पूरी जवाबदेही केन्द्रीय सरकार पर है।

13.17 hrs.

RE, NON-AVAILABILITY OF YARN

अध्यक्ष महोदय : झारखंडे राय जी, इसका जवाब तो दो तीन दफा हो चुका है।

श्री झारखण्डे राय (धोली): अध्यक्ष महोदय, सारे देश में और विशेषकर उत्तर भारत में सूत गायब हो गया है। (व्यवधान)

9 मार्च को भारत सरकार ने सूत पर नियन्त्रण किया और 12-13 मार्च को उसको मिलों ने लागू कर दिया। मिलों से सूत का निकलना बन्द हो गया। जो सूत तब तक मार्केट में आ चुका था उससे 10-12 दिन काम चला लेकिन 26-28 तारीख तक जब लोकल अधिकारियों ने सभी जगह जो लोकल स्टाक था वह अपने हाथ में ले लिया तब नतीजा यह है कि उत्तर भारत में, दक्षिण भारत के नागपुर में, फैजाबाद में, मऊ में, बंगाल में और गुजरात भी सभी जगह सूत किसी भी दाम पर बिल्कुल नहीं मिल रहा है। भारत सरकार ने नियन्त्रण किया तो ठीक किया लेकिन डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम न बनाने की वजह से हैंडलूम और पावरलूम को सूत बिल्कुल नहीं मिल रहा है।

SHRI P. G. MAVALANKAR (Ahmedabad): On a point of order. To this very matter I had invited your attention two days back, but you were pleased to decline your permission. May I know how is it that the same matter has been allowed to be raised today?

MR. SPEAKER: It is right, the hon. Member met me and I declined my permission..(*Interruptions*) I do not follow how it is a new method.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE (Gwallor): Government has taken over distribution of yarn, but yarn is not available. I went to Moradnagar.... (*Interruptions*) Yarn is not available.